# स्वामी विवेकानंद के 1893 के शिकागो भाषण की 132वीं वर्षगाँठ

**स्रोत: पी.आई.बी.**

हाल ही में **स्वामी विवेकानंद के 1893 के शिकागो भाषण की 132 वीं वर्षगाँठ** पर भारत के प्रधानमंत्री ने इस भाषण के एकता, शांति और भाईचारे के संदेश पर प्रकाश डाला तथा पीढ़ियों तक इसकी निरंतर प्रेरणा के महत्त्व को दर्शाया।

- **स्वामी विवेकानंद**, जो पश्चिमी देशों को **हिंदू धर्म, योग और वेदांत** का परिचय कराने वाले प्रमुख व्यक्ति थे, **ने वर्ष 1893 में शिकागो में विश्व धर्म संसद (Parliament of the World's Religions-PWR) में** धार्मिक सहिष्णुता का समर्थन किया था।
  - उन्होंने **संप्रदायवाद/संप्रदायिकता, कट्टरता** (किसी भी मत के प्रति पूर्ण असहिष्णुता) और **कट्टरता की निंदा की, यहूदियों व पारसियों** को आश्रय देने के साथ हिंदू धर्म की समावेशिता पर प्रकाश डाला तथा अपने संदेश को **भगवद्गीता** सार्वभौमिक एकता की शिक्षा के साथ जोड़कर प्रस्तुत किया।
- PWR की शुरुआत वर्ष **1893 में शिकागो में आयोजित विश्व कोलंबियाई प्रदर्शनी से हुई थी,** यह अंतर-धार्मिक संवाद हेतु एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है। यह शिकागो में स्थित एक अंतर्राष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है जो **संयुक्त राष्ट्र के सार्वजनिक सूचना विभाग (United Nations Department of Public Information) से संबद्ध है।**
- स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 को कलकत्ता में हुआ था इनका बचपन का नाम नरेंद्रनाथ दत्त था। **वह रामकृष्ण परमहंस के** शिष्य थे और सेवा, शिक्षा तथा आध्यात्मिक उत्थान के सिद्धांत के पक्षधर थे।
- **उन्होंने अद्वैत वेदांत के आदर्शों का प्रचार करने के लिये वर्ष 1897 में** रामकृष्ण मिशन **की स्थापना की। उनकी मृत्यु वर्ष 1902 में रामकृष्ण मठ और रामकृष्ण मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ में हुई।**
- प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

//

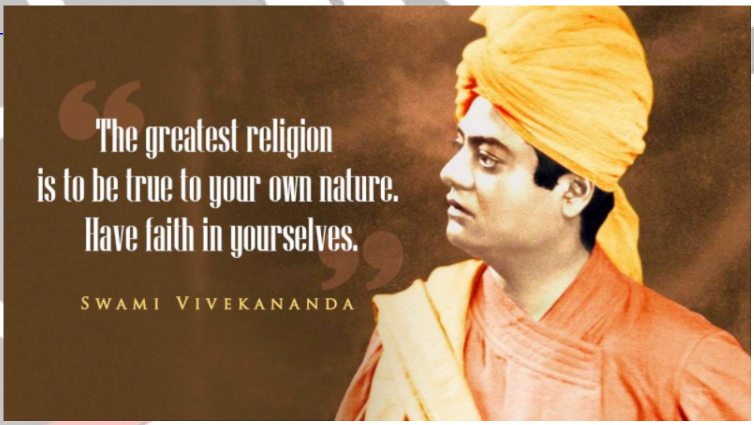


**और पढ़ें:** स्वामी विवेकानंद

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/132nd-anniversary-of-swami-vivekananda-s-1893-chicago-speech